Regd. No. 185

Haryana College Teachers' Association

(Affiliated to AIFUCTO)
Website : www.hcta.in

Dr. Narender Chahar
President
Vaish College, Bhiwani
Mob. : 098133-26900
Email: narenderchahar11@gamil.com

Dr. Ravinder Gasso
General Secretary
D.A.V. College, Pundri (Kaithal)
Mob. : 094161-10679
Email: gassoravinder@gamil.com

Ref. No. HCTA/5-1/14

Dated 27.05.2014

सेवार्थ,

कुलपति,
चौ. देवीलाल युनिवर्सिटी, सिरसा।

विषय : एडिड-कॉलेजों की गवर्निंग बॉडीज के कामकाज सम्बन्धी।

श्रीमान जी,

सबसे पहले हम यह रेखांकित करना चाहते हैं कि हरियाणा के एडिड कॉलेजों ने प्रदेश की उच्च शिक्षा में अतुलनीय योगदान दिया है और दे रहे हैं। सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास में स्वतन्त्रता संग्राम व नवजागरण की यह महान विरासत जन-कल्याण की बुनियाद पर खड़ी है। तथाकथित उदारीकरण तथा उत्तर-आधुनिक दौर के विखण्डन का असर एडिड-कॉलेजों के ढांचों पर भी दिखाई दे रहा है। इन संस्थाओं की मूल भावना को बनाए रखने के लिए हमारा निवेदन है कि-

1. प्रत्येक कॉलेज की वेबसाइट पर उसका संविधान, स्थापना के उद्देश्य, निर्माताओं का योगदान, संस्था का विकास व वर्तमान, प्रबन्ध समिति के सदस्यों का नाम, पद, पता इत्यादि प्रदर्शित करना अनिवार्य बनाया जाये।
2. कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की प्रत्येक गतिविधि को वैबसाइट पर लाना अनिवार्य बनाया जाये-चुनाव, मीटिंग का एजेण्डा, कार्यवाई रिपोर्ट सब वैधानिक तरीके से समयानुसार हो और उसे ऑन-लाईन किया जाये।
3. प्रत्येक मीटिंग सम्बन्धी सरकार व विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि अपनी लिखित रिपोर्ट विभाग को दें और उसे आगामी मीटिंग की कार्यवाई में शामिल किया जाये।
4. प्रत्येक तीन महीने बाद गवर्निंग-बॉडी की मीटिंग को अनिवार्य किया जाये।
5. गवर्निंग-बॉडी में विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिनिधि यहां तक संभव हो एडिड कॉलेजों के वरिष्ठतम शिक्षक को ही लगाया जाये।
6. सेवा सुरक्षा-एक्ट तथा यूनिवर्सिटी कैलेण्डर को सख्ती से लागू किया जाये।
7. एडिड कॉलेजों के प्रिंसीपलों व प्रबंध समितियों की प्रशासनिक-वित्तीय पारदर्शिता के लिए स्पष्ट नियम बनाए जायें।
8. सभी सम्बद्ध कॉलेजों का निरीक्षण करवाया जाए। निरीक्षण दल ने वरिष्ठतम कॉलेज शिक्षकों को भी सदस्य नामजद किया जाए।

हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन शिक्षकों के अधिकार नहीं दायित्व और उत्तरदायित्व बढ़ाने के लिए संचालन में वृहद-भागीदारी की मांग कर रही है। यह हमारा सभी का कर्त्तव्य है कि एडिड कॉलेजों के जन-कल्याणकारी लोकतान्त्रिक स्वरूप को मजबूत किया जाये।

आदर सहित

भवदीय

(डॉ. रविन्द्र गासो)